

**अपरामृष्ट वि.** (तत्.) [अ+परामृष्ट] 1. जिसे किसी दूसरे के द्वारा स्पर्श न किया गया हो। अस्पृष्ट 2. जिस पर परामर्श न किया गया हो 3. जिसका अभी तक उपयोग न हो सका हो।

**अपरार्क पुं.** (तत्.) [अपर+अर्क] 1. दूसरा सूर्य 2. वि. जो तेजस्विता में दूसरे सूर्य जैसा हो।

**अपरार्ध पुं.** (तत्.) [अपर+अर्ध] किसी बात, वस्तु आदि का बादवाला आधा भाग, उत्तरार्ध विलो. पूर्वार्ध।

**अपराहन पुं.** (तत्.) दिन का (दोपहर के बाद का) समय, तीसरा पहर।

**अपरिगत वि.** (तत्.) 1. अज्ञात, अपरिचित, न पहचाना हुआ 2. अप्राप्त।

**अपरिगृहीत वि.** (तत्.) 1. अस्वीकृत 2. त्यक्त, छोड़ा हुआ।

**अपरिगृहीता स्त्री.** (तत्.) [अ+परिगृहीता] अपरिणीता कन्या, अविवाहिता स्त्री (वि.) जो अभी तक किसी के द्वारा परिगृहीत (विवाहित) न हुई हो।

**अपरिग्रह पुं.** (तत्.) 1. परिग्रह न करने अर्थात् भोग विलास, धन, नौकर-चाकर आदि की सेवाओं को ग्रहण न करने की स्थिति 2. जीने के लिए जितना आवश्यक हो उससे अधिक धन, अन्न आदि न लेना।

**अपरिग्राह्य वि.** (तत्.) जो ग्रहण करने या स्वीकार करने योग्य न हो।

**अपरिचय पुं.** (तत्.) परिचय का अभाव, जान-पहचान न होने की स्थिति।

**अपरिचयी वि.** (तत्.) [अ+परिचयी] 1. जिसका किसी से परिचय न हो 2. जो किसी से अधिक परिचय बढ़ाने वाला न हो 3. जो अपना परिचय दिये या लिये बिना ही रहता है। मेलजोल न करने वाला विलो. परिचयी

**अपरिचित वि.** (तत्.) जो जाना-पहचाना न हो, अनजान, जो जाना-बूझा न हो विलो. परिचित।

**अपरिच्छद वि.** (तत्.) 1. आच्छादन-रहित, आवरणशून्य 2. जो ढका न हो, नंगा, खुला हुआ 3. दरिद्र।

**अपरिच्छन्न वि.** (तत्.) 1. जो ढका न हो, खुला, नंगा, आवरणरहित 2. व्यापक।

**अपरिच्छिन्न वि.** (तत्.) [अ+परि+च्छिन्न] 1. जो परिच्छिन्न न हो 2. निरंतर, असीम 3. मिला हुआ 4. जिसका भेदन न हुआ हो विलो. परिच्छिन्न।

**अपरिच्छेद पुं.** (तत्.) 1. विभाजन या अलगाव का अभाव 2. विवेक या निर्णय का अभाव 3. नैरंतर्य।

**अपरिणत वि.** (तत्.) 1. अपरिपक्व, कच्चा 2. जिसमें अभीष्ट परिणाम प्राप्त न हुआ हो, ज्यों का त्यों। विलो. परिणत।

**अपरिणय पुं.** (तत्.) 1. विवाह न होने की स्थिति, कौमार्य, ब्रह्मचर्य विलो. परिणय।

**अपरिणाम पुं.** (तत्.) परिणाम, परिपाक या परिवर्तनका अभाव; अपरिवर्तनशीलता।

**अपरिणामी वि.** (तत्.) 1. परिणाम-रहित; जिसका कोई परिणाम न हो 2. जिसकी दशा में परिवर्तन न हुआ हो, विकाररहित 3. निष्फल।

**अपरिणीत वि.** (तत्.) परिणाम-रहित, अविवाहित, कुंवारा।

**अपरिणीता वि.** (तत्.) परिणय-रहित, कन्या, अविवाहिता कन्या।

**अपरिदली वि.** (तत्.) वन. (पुष्प) जिसमें परिदल पुंज, दल पुंज या बाह्यदल पुंज नहीं होता, जैसे-एरंड का फूल।

**अपरिनिष्ठित वि.** (तत्.) 1. जो परिनिष्ठित नहीं हो 2. जो पूर्णरूप से निपुणता प्राप्त न हो 3. जो पूर्ण शुद्ध एवं सुसंस्कृत न हो, जैसे-अपरिनिष्ठित शब्दावली या भाषा विलो. परिनिष्ठित

**अपरिपक्व वि.** (तत्.) सा.अर्थ. जो पूरी तरह पका हुआ न हो। 1. वन. वह फल जो पूरी तरह पका